



आरत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 481] नई दिल्ली, मुहूर्मतिवार, नवम्बर 26, 1992/अग्रहायण 5, 1914
No. 481] NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 26, 1992/AGRAHAYANA 5, 1914

इस भाग में भिन्न पुष्ट संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकालन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(गजत्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 नवम्बर, 1992

प्राप्तकर्ता

सा. का. नि. 896(अ) :— केन्द्रीय सरकार ना समाधान दो नहा है कि लोकहिंसा में ऐसा करना
प्रावधारक और समाचीन है कि गेंगे व्यक्ति के पात में गो मारनो वा फूनो है, जिनके साथ केन्द्रीय सरकार त
किसी ऐसे कारोबार में जो खतिन तैरी के पूर्वक या निकर्वण या उदाहरण के लिए है, उस सरकार के पाँ
उस सरकार द्वारा प्राधिकृत फिली व्यक्ति के सहयोग या मारोशारी के विरुद्ध करार किया है, प्राप्त कर
के संबंध में वर को कम पिण्य, जाए,

अयः आवृत्ति विभाग के अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को आरा 293के द्वारा प्रदत्त शर्कियों का प्रयोग करने द्वारा उपचय करतो है कि—

(क) जहाँ ऐसे व्यावरण को कुन आवृत्ति का साथ से अभिप्राप्त लाभों और अभिलाभों से ही मिलकर बनते हैं, वहाँ ऐसे व्यावरण को कुल आवृत्ति पर देय कर, ऐसो आवृत्ति के 50 प्रतिशत को दर से ऐसी कुल आवृत्ति पर परिकलित आवृत्ति को रकम होती, ऐसो आवृत्ति पर संघ के लिए काही अधिकार उद्घटीत नहो किया जाएगा;

(इ) जहाँ ऐसे व्यावरण को कुन आवृत्ति के आवृत्ति दर से लाभ और अभिलाभ हैं, वहाँ उसको कुल आवृत्ति पर उसके द्वारा संवेद्य कर निम्न प्रकार होगा।

(i) याहू (क) के उल्लेखनीय के अनुबन्ध कुन आवृत्ति में सम्मिलित उपचय में निविष्ट लाभों और आवृत्ति-लाभों पर उसके द्वारा संदेह कुल आवृत्ति कर;

(ii) कुल आवृत्ति का रकम पर उन आवृत्ति-कर का दर से, जो कुन आवृत्ति को लागू होती, यदि यह (क) का उपचयन्य सागृ नहो किया गया होता तो, परिकलित आवृत्ति-कर का रकम, जिसमें से उक्त यह में निविष्ट लाभों और अभिलाभों का रकम घटा दी गई हो, और जो किसी अधिकार द्वारा इस खंड के अधीन संदेह आवृत्ति-कर को रकम पर मुसंगत निर्णायक वर्ष के वित्त अधिनियम में उल्लिखित दर से बढ़ाई गई हो।

क्रमीकरण : इस अधिकाराके परीक्षणों के लिए,

(क) "मारतीय कमानी" का वही अर्थ होता जो उक्ता आवृत्ति-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 2 को उल्लिखित (26) में है;

(इ) "व्यवित तेज" के अन्तर्गत पेट्रोलियम और ग्राफ्टिक नीस हैं।

[फा. सं. 467/9/92 - एफ टी डी]
टी. पृष्ठ. कृष्णमूर्ति, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th November, 1992

INCOME-TAX

G.S.R. 896(E).—Whereas, the Central Government is satisfied that it is necessary and expedient so to do in the public interest to make reduction in the rate in respect of income-tax in favour of any person, being an Indian company, with whom the Central Government has entered into an agreement for the association or participation of that Government or any person authorised by that Government in any business consisting of the prospecting for or extraction or production of mineral oils;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 293A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby provides that—

- (a) where the total income of any such person consists only of profits and gains derived from such business, the tax payable by such person on his total income shall be the amount of income-tax calculated on such total income at the rate of fifty per cent of such income ; no surcharge for the Union is to be levied on such income ;
- (b) where the total income of such person includes such profits and gains, the tax payable by him in his total income shall be—
 - (i) the aggregate of the income-tax payable by him in accordance with the provisions of Clause (a) on the profits and gains referred to in that clause included in the total income ; plus
 - (ii) the amount of income-tax calculated on the amount of total income as reduced by the amount of profits and gains referred to in Clause (a), at the rate of income-tax which would have been applicable to the total income, if the provision of the said clause had not applied, increased by a surcharge at the rate provided in the Finance Act of the relevant assessment year on the amount of income-tax payable under this clause.

Explanation.—For the purposes of this notification,—

- (a) “Indian company” shall have the meaning assigned to it in sub-section (25) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) ;
- (b) “mineral oil” includes petroleum and natural gas.

[F. No. 467/9/92-FTD]

T. S. KRISHNA MURTHY, Jt. Secy.

